भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न संख्या : 2011

गुरुवार, 30 जुलाई, 2026/8 श्रावण, 1948 (शक) को दिया जाने वाला
उत्तर

अंतरराष्ट्रीय मार्गों पर उड़ान प्रचालनों में व्यवधान

2011. श्रीमती जून मालियाः

क्या **नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः
(क) क्या सरकार ने पश्चिम एशिया/खाड़ी क्षेत्र में पैदा हो रही सुरक्षा स्थिति तथा सशस्त्र संघर्षों का भारतीय विमानन कंपनियों के अंतर्राष्ट्रीय प्रचालनों पर पड़ने वाले प्रभाव का आकलन किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ख) गत दो वर्षों के दौरान हवाई क्षेत्र संबंधी प्रतिबंधों के कारण भारतीय विमानन कंपनियों द्वारा दोबारा मार्ग निर्धारित, मार्ग परिवर्तित अथवा रद्द की गई उड़ानों का वर्ष-वार ब्यौरा क्या है;
(ग) क्या उक्त हवाई क्षेत्र संबंधी प्रतिबंधों, मार्ग परिवर्तन तथा सुरक्षा परामर्शों का यूरोप, उत्तरी अमेरिका तथा खाड़ी क्षेत्र के लिए भारतीय विमानन कंपनियों द्वारा संचालित उड़ानों की समय-सारिणी, प्रचालन लागत, यात्री यातायात तथा हवाई किरायों पर प्रभाव पड़ा है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(घ) क्या सरकार ने ऐसे व्यवधानों के भारतीय नागरिक उड्डयन क्षेत्र, जिसमें विमानन कंपनियां तथा हवाई कार्गो प्रचालन शामिल हैं, पर पड़ने वाले आर्थिक प्रभाव का आकलन किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
(ङ) यात्रियों तथा विमान चालक दल की सुरक्षा सुनिश्चित करने, निर्बाध हवाई संपर्क बनाए रखने तथा भारतीय विमानन कंपनियों पर पड़ने वाले प्रचालन एवं वित्तीय प्रभाव को कम करने के लिए सरकार द्वारा संबंधित राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों के समन्वय से किए गए उपायों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर
नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुरलीधर मोहोल)

(क(और (ख(: सरकार ने पश्चिम एशिया/खाड़ी क्षेत्र में उत्पन्न स्थिति पर निरंतर निगरानी रखी है। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने पश्चिम एशिया संघर्ष से उत्पन्न जोखिमों से निपटने के लिए यात्रियों, चालक दल और विमान की सुरक्षा सुनिश्चित करने और उन्हें संबोधित करने के लिए परामर्शिका जारी की है। ये परामर्शिका प्रभावित हवाई क्षेत्र पर परिचालन मार्गदर्शन प्रदान करती हैं, जिसमें नोटिस टू एयरमेन (एनओटीएएम), उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों की पहचान, उड़ान सूचना क्षेत्र (एफआईआर) की सीमाएं और प्रभावित देश शामिल हैं, जिससे प्रचालक व्यापक सुरक्षा जोखिम आकलन करने के बाद सुरक्षित रूटिंग की योजना बनाई जा सकें।

(ग(से (ङ): भारतीय वाहकों ने सूचित किया है कि उड़ानों के मार्ग परिवर्तन से उड़ान की अवधि बढ़ गई और ईंधन की खपत भी अधिक हो गई है, जिसके परिणामस्वरूप एयरलाइनों के लिए अतिरिक्त परिचालन लागत आई है। ऐसी लागतों की सीमा मार्ग परिवर्तन, अवधि और प्रचलित ईंधन की कीमतों पर निर्भर करती है। इसके अलावा, जैसा कि सूचित किया गया है, एयरलाइनों को मौजूदा संकट के कारण राजस्व की अत्यधिक हानि हो रही है। हालांकि, एयरलाइनें परिचालन की निरंतरता सुनिश्चित करते हुए प्रभाव को कम करने के लिए आवश्यक उपाय कर रही हैं।

रियल-टाइम समन्वय और यात्री सहायता के लिए 24x7 यात्री सहायता नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया था। हवाईअड्डे के सहायता डेस्क और एयरलाइनों द्वारा रियल-टाइम यात्रा अपडेट के माध्यम से यात्रियों को सहायता भी प्रदान की गई। इस मंत्रालय ने इस क्षेत्र में भारतीय वाहकों और भारतीय नागरिकों से संबंधित उत्पन्न आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए विदेश मंत्रालय के साथ मिलकर कार्य किया । रियाद में भारतीय मिशन ने बहरीन, इराक, कुवैत, ओमान, कतर और यूएई में भारतीय मिशनों के साथ समन्वय में, सऊदी अरब के माध्यम से प्रभावित व्यक्तियों के पारगमन की सुविधा प्रदान की है।

*****